

हज्ज के मनासकि (रस्में)

Indian الهندية

हिथम 1

तवाफ़ -ए- कुदूम

2

हजर -ए- असवद से आरंभ कर के हजर -ए- असवद पर अंत करने तक सात चक्कर लगाएंगे

हरी लाइट से पहले एवं बाद में सामान्य चाल चलेंगे जबकि ग्रीन सिग्नल के मध्य पुरुष लोग तेज गति से दौड़ेंगे



- शाम एवं मसिर वालों की मीकात जुहुफा 186 कि.मी
- मदीना वालों की मीकात जुलहुलैफा 420 कि.मी
- इराक वालों की मीकात ज़ात -ए- इरक 98 कि.मी.
- नज्द वालों की मीकात करन -ए- मनाज़लि 99 कि.मी.
- यमन वालों की मीकात यलमयलम 99 कि.मी.



एहराम

नुसुक (पूजा) में प्रवेश करने की नयियत

हवाई जहाज़ के द्वारा आने वाले लोग अपने सबसे निकटवर्ती आकाशीय मीकात के पास से गुज़रते हुए आकाश में ही नयियत करेंगे

मरवा

सफ़ा

सफ़ा एवं मरवा के मध्य सई करना

3

अरफ़ा में ठहरना

5

नौवीं तारीख के ज़ुहर से आरंभ हो कर दसवीं तारीख के फ़ज्र तक रहता है यहाँ ज़ुहर एवं अस्र की नमाज़ एक साथ ज़ुहर के समय में पढ़ेंगे

नौवीं की रात

मनि में रात बताना

4

आठवीं तारीख के ज़ुहर, अस्र, मगरबि एवं इशा तथा नौवीं तारीख की फ़ज्र की नमाज़ वहाँ पढ़ेंगे

दसवीं की रात

मुज़दलफ़ि में रात बताना

6

यहाँ नौवीं तारीख की मगरबि एवं इशा की नमाज़ एक साथ जमा करके तथा कस्र (मगरबि तीन एवं इशा दो रक़अत) पढ़ेंगे तथा दसवीं तारीख की फ़ज्र की नमाज़ पढ़ेंगे

दसवीं तारीख को

सरि मुंडाना अथवा बाल छोटे करवाना

पुरुषों का सरि मुंडाना अथवा बाल छोटे करवाना, महिला उंगली के पोर के बराबर बाल छोटे करेगी

9

जमरा -ए- अक़बा को सात कंकड़ी मारना

7

छोटे जमरा फरि माध्यमक तित्पश्चात बड़े जमरा को ज़वाल के बाद (ज़ुहर का समय हो जाने के बाद) कंकड़ी मारना

8

हज्ज -ए- तमततुअ एवं हज्ज -ए- करिन करने वाले व्यक्ती का हदय (क़ुर्बानी) करना

12

जमरात को कंकड़ी मारना तथा मनि में रात बताना

जमरा 3

जमरा 2

जमरा 1

दुआ करन का स्थान

ग़्यारहवीं एवं बारहवीं तथा जो देर करे उनका तेरहवीं तारीख को

13

तवाफ़ -ए- इफ़ाज़ा

10

दसवीं तारीख को

तवाफ़ -ए- वदाअ

हज्ज -ए- तमततुअ करने वाले अथवा जसिने तवाफ़ -ए- कुदूम के बाद सई नहीं किया हो उनका सई करना

11

माहवारी एवं पुरसवोतुतर रक्तस्राव वाली महिला से माफ है

- हज्ज के अरकान (सूतंभ): जसिने रुकन छोड़ दिया उसका हज्ज मुकम्मल नहीं हुआ
- हज्ज के वाजिबत: जसिने वाजिब छोड़ दिया उसकी भरपाई पशु की बलक के द्वारा हो जायेगी